पाठ - 14 बूढ़ी पृथ्वी का दुख

कवयित्री - निर्मला पुतुल

चीत्कार - कष्ट या पीड़ा में चिल्लाने की आवाज

धमस - चोट, आघात (किसी आघात की गूंज)

किस कदर - कितना अधिक

घाट - नदी किनारे का वह स्थान जहां लोग नहाते धोते हैं

मवेशी - पालतू पशु

अर्ध्य - जल या दूध आदि देवता को अर्पित करना

समाधि - ध्यान की मुद्रा

गुमसुम - चुपचाप विचारों में खोई, स्तब्ध